

स्वाभाविक सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी, टिब्बी  
 क्षेत्रीय अधिकारी-भीमू वर्मा आर.ए.एस.  
 प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा-251 ए आरटीए  
 प्रकरण संख्या-48/2017

1. रघुवीरसिंह मुन्न कर्मसिंह } जाति जलसिख निवासी सिलवालाखुर्द तहसील टिब्बी
2. मुरसेवकसिंह मुन्न मुरवीरसिंह } जिला हनुमानगढ़।

प्रार्थीगण

बनाम

1. मुरजन्दसिंह } मि० जलसिख कौम जलसिख निवासी सिलवालाखुर्द तहसील टिब्बी
2. बलवीरसिंह } जिला हनुमानगढ़।
3. तहसीलदार राजस्य टिब्बी।

अप्रार्थीगण

उपस्थित-श्री सुभाषचन्द्र वर्मा अधिवक्ता प्रार्थीगण  
 श्री जलसिख अधिवक्ता अप्रार्थीगण

निर्णय

दिनांक :- 3-1-19

प्रार्थीगण रघुवीरसिंह ने अप्रार्थीगण के विरुद्ध यह प्रार्थना पत्र 251ए आरटीए के तहत स्वतः स्वाभाविक में पेश किया कि प्रार्थी सं० 1 रघुवीरसिंह के नाम से चकान० 1 एनडीआर के खाता सं० 66/65 में कुल 798 है० व प्रार्थी सं० 2 मुरसेवकसिंह के नाम से इसी चक के खाता सं० 21/21 में कुल 797 है० में से 1/3 हिस्सा भूमि दर्ज है तथा अप्रार्थी सं० 1 मुरजन्दसिंह के नाम से चकान० 1 एनडीआर के खाता सं० 18/15 में 304 है० व अप्रार्थी सं० 2 बलवीरसिंह के नाम से इसी चक के खाता सं० 66/65 में 368 है० भूमि दर्ज है।

प्रार्थीगण को अपनी आराजी चक नं० 1 एनडीआर में स्थित भूमि में प्रवेश करने के लिए कोई स्वीकृत शुद्ध रास्ता नहीं है जिसकी वजह से प्रार्थीगण को अपनी आराजी कास्त करने, सिंचाई करने तथा जुताई करने में काफी परेशानी होती है। प्रार्थीगण प्रार्थना पत्र की दफा 3 में दर्ज चालू रास्ता से होकर अपनी भूमि में प्रवेश करते हैं। लेकिन उक्त रास्ता राजस्य रिकार्ड में स्वीकृत नहीं होने से उक्त रास्ता को अप्रार्थीगण कभी भी बंद कर सकते हैं। इसलिए प्रार्थीगण चकान० 1 एनडीआर के खाता सं० 18/15 के प्लान० 207/326 मु० 34 किलान० 21/2/089 है० में उत्तर दिशा में पश्चिमसे पूर्व 814 फुट चौड़ा व 150 फुट लम्बा तथा इसी चक के खाता सं० 66/65 के प्लान० 207/326 मु० 34 किलान० 20/2/089 है० मन्जूर करवाकर राजस्य रिकार्ड में पै०मु० रास्ता का अंकन करवाना चाहते हैं।

उक्त तथ्यों के आधार पर प्रार्थनापत्र पेश होने पर सीरोदार की रिपोर्ट के बाद प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया। अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तत्व किया गया व नायब तहसीलदार तलवाड़ा से रिपोर्ट माँगी गई। अप्रार्थीगण की ओर से अधिवक्ता द्वारा स्वाभाविकता में पेश किया गया। अप्रार्थीगण ने जवाब पेश नहीं करने का निवेदन किया। तहसीलदार की रिपोर्ट प्राप्त हुई, जो शामिल मिसाल की गई।

बहस प्रार्थी सुनी गई। दोनों बहस प्रार्थी के अधिवक्ता द्वारा अपनी-अपनी भूमि में प्रवेश करने के लिए प्रार्थीगण प्रार्थना पत्र की दफा 3 में दर्ज चालू रास्ता से प्रवेश करते हैं। लेकिन उक्त रास्ता राजस्य रिकार्ड में स्वीकृत नहीं होने से उक्त रास्ता को अप्रार्थीगण कभी भी बंद कर सकते हैं। इसलिए प्रार्थीगण चकान० 1 एनडीआर के खाता सं० 18/15 के प्लान० 207/326 मु० 34 किलान०

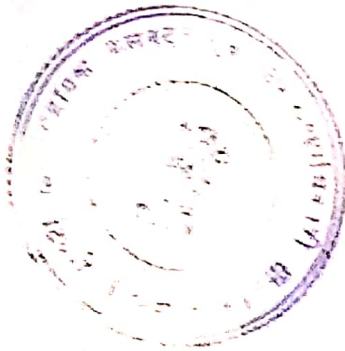
स्वाभाविक सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी, टिब्बी

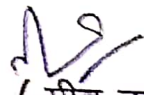
21/2/089 है0 में उतर दिशा में पश्चिमसे पूर्व 8¼ फुट चौड़ा व 150 फुट लम्बा तथा इसी चक के खाता सं0 66/65 के प0न0 207/326 मु0 34 किलानं0 20/2/089 है0 मन्जूर करवाकर राजस्व रिकार्ड में गै0मु0 रास्ता का अंकन करवाना चाहते हैं। प्रार्थीगण द्वारा पारिवारिक समझौता बाबत बटवारानाना पेश किया गया। नायब तहसीलदार द्वारा पटवारी हल्का से प्राप्त रिपोर्ट में अंकित है कि प्रार्थी द्वारा चाहे जाने वाला रास्ता नजदीकी रास्ता है इसके अलावा अन्य कोई नजदीकी रास्ता नहीं है। मौका पर रास्ता चालु है। बहस सुनी गई पत्रावली का अवलोकन किया गया पत्रावली अध्यन से प्रार्थी द्वारा चाहे जाने वाला रास्ता के अलावा अन्य कोई नजदीक रास्ता उपलब्ध नहीं है। पटवार हल्का की रिपोर्ट व पारिवाकि समझौता के आधार पर प्रार्थीगण प्रार्थना पत्र साबित करने में सफल रहे हैं। प्रार्थीगण का प्रार्थनापत्र स्वीकार किया जाता है।

### क्रियात्मक आदेश

अतः प्रार्थना पत्र प्रार्थी स्वीकार किया जाता है चकनं0 1 एनडीआर के खातासं0 18/15 प0न0 207/326 मु0 34 किलानं 0 21/2/089 में उतर दिशा में पश्चिम से पूर्व 8¼ फुट चौड़ा व 150 फुट लम्बा तथा इसी चक के खाता सं0 66/65 के प0न0 207/326 मु0 34 किलानं0 20/2/088 है0 में दक्षिण दिशा में पश्चिम से पूर्व 8¼ फुट चौड़ा व 150 फुट लम्बा रास्ता स्वीकृत किया जाता है व स्वीकृशुदा रास्ता का गै0मु0 रास्ता के रुप मे अंकन किये जाने के आदेश दिये जाते हैं। इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे।

निर्णय आज दिनांक.....3-9-19.....को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।



  
(मीनू वर्मा)  
सहायक कलेक्टर एवं  
उपखण्ड अधिकारी, टिब्बी